



लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने के लिए बाध्य होना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान खिलाड़ियों ने मांग की कि धमारी स्टैडियम को शीश्र खिलाड़ियों के लिए खोला जाए तथा खेल